देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित | www.page3news.in | नगर संस्करण वर्ष 14 अंक: 92 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार-प्रवाह...मोदी सरकार से 56 जापान

पेज थ्री

देहरादून, शनिवार, 11 मई 2019

मौसम अधिकतम 34.0° न्यूनतम 21.0°

37462.99

2 भूकंप के दो झटकों से हिला जापान

7 लक्ष्मण ने भी किया गंभीर का समर्थन

सैम पित्रोदा के बयान पर जंग

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया पलटवार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली/रोहतक। लोकसभा चुनाव के आखिरी दो चरणों से पहले 1984 के सिख दंगों को लेकर कांग्रेस पर लगातार हमलवार बीजेपी को कांग्रेस नेता सैम पित्रोदा के विवादित बयान से नया हथियार मिल गया है।

शुक्रवार को पीएम मोदी ने जहां रोहतक रैली में पित्रोदा के बयान से सिख दंगों पर कांग्रेस को घेरा, तो वहीं दिल्ली में बीजेपी ने कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी के 12 तुलगक लेन स्थित निवास पर हल्ला बोलकर प्रदर्शन किया। पीएम मोदी ने सिख दंगों पर पूर्व पीएम राजीव गांधी के दिए गए बयान से भी पार्टी को निशाने पर लिया। बता दें कि पित्रोदा ने मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा था कि 1984 दंगों में जो हुआ सो हुआ, लेकिन मोदी सरकार को बताना चाहिए कि उसने पांच सालों में क्या काम किए हैं। पित्रोदा ने हालांकि स्वर्ण मंदिर की तस्वीर ट्वीट कर डैमेज कंट्रोल की कोशिश की और साथ ही कहा कि मेरी हिंदी अच्छी नहीं इसलिए निकला अलग अर्थ।

जब बड़ा पेड़ गिरता है तो जमीन हिलती है

पीएम मोदी ने कहा, राजीव गांधी ने कहा था कि जब एक बड़ा पेड़ गिरता है तो धरती हिलती है। पीएम ने कहा कि कांग्रेस ने कमलनाथ को पंजाब का प्रभारी बना दिया था और अब उन्हें मध्य प्रदेश का सीएम बना दिया। यह किसी एक शख्स का बयान नहीं है।

विवादित बयान

- पित्रोदा ने सिख दंगे पर दिया विवादित बयान

कांग्रेस ने पित्रोदा के बयान पर दी सफाई

नई दिल्ली। एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कांग्रेस ने कहा कि हमारे समाज में हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है। कांग्रेस ने कहा कि इस संबंध में सैम पित्रोदा की तरफ से आया बयान कांग्रेस पार्टी की राय नहीं है। कांग्रेस ने कहा कि हम 1984 के दंगा पीड़ितों के लिए न्याय की मांग का समर्थन करने के साथ 2002 के गुजरात दंगा पीड़ितों के लिए भी न्याय की मांग का समर्थन करते हैं।

विश्व प्रसिद्ध बदरीनाथ धाम के कपाट खुले

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

बदरीनाथ। बदरीनाथ धाम के कपाट विधि विधान व पूजा अर्चना के बाद खोल दिए गए हैं। कपाट खुलने के अवसर पर 10 हजार के करीब श्रद्धालु बदरीनाथ धाम में मौजूद रहे। पहले दिन भगवान के निर्वाण दर्शन हुए। श्रद्धालुओं ने अखंड ज्योति के दर्शन कर घृत कंबल का प्रसाद ग्रहण किया।

श्री बदरीनाथ धाम में देर रात से ही दर्शनों के लिए श्रद्धालुओं ने लाइन लगानी शुरू कर दी थी। मंदिर समिति के कर्मचारियों व पुलिस की देखरेख में श्रद्धालुओं की लाइन लगाई गइ। सुबह सवा

10 हजार श्रद्धालु रहे मौजूद

तीन बजे दक्षिण द्वार से भगवान कुबेर ने बदरीनाथ मंदिर में प्रवेश किया। साढ़े तीन बजे वीआइपी गेट से बदरीनाथ के मुख्य पुजारी रावल ईश्वरी प्रसाद नंबूदरी, धर्माधिकारी भुवन चंद्र उनियाल व वेदपाठियों ने उद्धव जी की उत्सव मूर्ति के साथ मंदिर के अंदर प्रवेश किया। उद्धव व कुबेर जी की मूर्ति को गर्भगृह में रखने से पहले मां लक्ष्मी को गर्भगृह से बाहर लाकर लक्ष्मी मंदिर में विराजित किया गया। तड़के 3.35 बजे मुख्य पुजारी रावल ईश्वरी प्रसाद नंबूदरी के निर्देशन में द्वारा पूजन का कार्यक्रम शुरू हुआ।

बदरीनाथ धाम के कपाट खुलने के मौके पर राज्यपाल बेबी रानी मौर्य, पूर्व सीएम रमेश पोखरियाल निशंक, मंदिर समिति अध्यक्ष मोहन थपलियाल, सीईओ बीडी सिंह आदि मौजदू रहे।

भक्तों ने किए बदरी विशाल के दर्शन

कपाट खुलने के मौके पर सेना के बैंडों की मधुर भक्तिमय ध्वनि के बीच माणा व बामणी गांव की महिलाओं ने मंदिर परिसर में दांकुड़ी (पारंपरिक नृत्य) की प्रस्तुति भी दी। मंदिर के द्वार से लेकर एक किमी दूरी तक भक्तों ने लाइन लगाकर भगवान बदरी विशाल के दर्शन किए।

सुको के फैसले के खिलाफ पुनर्विचार याचिकाओं पर सुनवाई पूरी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने राफेल डील पर 14 दिसंबर 2018 को दिए अपने फैसले के खिलाफ दायर पुनर्विचार याचिकाओं पर शुक्रवार को फैसला सुरक्षित रख लिया। कांग्रेस और अन्य विपक्षी पार्टियों ने डील में भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं। हालांकि दिसंबर में सुको ने अपने फैसले में फ्रेंच कंपनी दसॉ से 36 फुली लोडेड राफेल जेट्स खरीदने के मामले में एनडीए सरकार को क्लीन चिट दे दी थी। दो घंटे तक चली सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस रंजन गोगोई की अध्यक्षता वाली बेंच ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। इससे पहले वकील प्रशांत भूषण ने तथ्यों को छिपाने का आरोप लगाते हुए कहा कि इस पर एफआईआर दर्ज की जानी चाहिए और मामले की आपराधिक जांच शुरू होनी चाहिए।

मंदिर, मध्यस्थ और अगली तारीख

सुप्रीम कोर्ट ने मध्यस्थता पैनल को दिया 15 अगस्त तक का समय

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अयोध्या विवाद सुलझाने के लिए मध्यस्थता पैनल को 15 अगस्त तक का समय दे दिया है। बता दें कि शीर्ष अदालत ने 8 मार्च के अपने फैसले में रामजन्मभूमि–बाबरी मस्जिद भूमि विवाद के निपटारे के लिए तीन मध्यस्थ नियुक्त किए थे।

समिति में सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज जस्टिस एफएम कलीफुल्ला के अलावा आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर और वरिष्ठ वकील श्रीराम पाचू शामिल हैं। शीर्ष अदालत में पैनल ने मध्यस्थता के लिए ज्यादा समय की मांग की थी। कोर्ट ने पैनल की मांग

स्वीकार कर ली और उन्हें करीब तीन महीने का वक्त दे दिया। हालांकि कुछ हिंदू पक्षकारों ने मध्यस्थता की प्रक्रिया पर आपत्ति भी जाहिर की, जबकि मुस्लिम पक्षकार इसके समर्थन में थे।

5 जजों की बेंच ने दिया समय

सीजेआई रंजन गोगोई, जस्टिस एसए बोबडे, जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस अशोक भूषण और जस्टिस एस अब्दुल नजीर की पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि वह पैनल को और समय देने का फैसला करते हैं। कोर्ट ने इससे पहले मध्यस्थता के जरिए मामले को सुलझाने की पहल की थी। इससे पहले पैनल ने सीलबंद लिफाफे में अपनी रिपोर्ट सुको को सौंपी थी।

समय देने में हर्ज क्याः कोर्ट

मध्यस्थता पैनल द्वारा ज्यादा समय मांगने का विरोध कर रहे पक्षों के तर्क को दरकिनार करते हुए कोर्ट ने कहा, अगर मध्यस्थ परिणाम के प्रति आशावादी हैं और 15 अगस्त तक का समय मांगते हैं तो इसे स्वीकार करने में हर्ज क्या है? यह मामला सालों से पेंडिंग है।

हिन्दू पक्षकारों ने मध्यस्थता की प्रक्रिया पर आपत्ति जाहिर की

कुछ हिन्दू पक्षकारों ने मध्यस्थता की प्रक्रिया पर आपत्ति जाहिर की। उन्होंने कहा कि पक्षकारों के बीच कोई कॉर्डिनेशन नहीं है। मुस्लिम पक्षकारों की ओर से राजीव धवन ने कहा कि हम मध्यस्थता प्रक्रिया का पूरी तरह से समर्थन करते हैं।

संक्षिप्त समाचार

पाक की ओर से भारतीय सीमा में घुसा विदेशी विमान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)
जयपुर। भारतीय सीमा में शुक्रवार को गलत रास्ते से घुसे एक विदेशी विमान को वायुसेना के एयर डिफेंस सिस्टम ने इंटरसेप्ट कर लिया और तुरंत ऐक्शन लेते हुए इस विमान को जयपुर में लैंड करवाया गया। फिलहाल प्लेन के पाइलट से पूछताछ की जा रही है कि उसने निर्धारित रास्ता छोड़कर प्लेन को गलत रास्ते पर क्यों उड़ाया। बता दें कि यह विमान कच्छ के रण में स्थित एक एयर बेस के 70 किलोमीटर दूर से भारतीय एयर स्पेस में दाखिल हुआ। सूत्रों के मुताबिक, इस एयर बेस को आम जनता के लिए बंद किया गया है।

Are you Planning to make a Website or already have ?

If yes, then we are here to serve you

What we do

Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.

Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS

Search Engine Optimisation
A-2-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.

Contact:
Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. | Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

आरोप साबित हुआ तो सरेआम फांसी लगा लूंगा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली से आम आदमी पार्टी उम्मीदवार आतिशी मार्लेना से जुड़े अभद्र पर्चा विवाद में तू–तू, मैं–मैं और तेज होती जा रही है। बीजेपी उम्मीदवार गौतम गंभीर ने अब नई चुनौती सामने रख दी है। उन्होंने आम आदमी पार्टी को चुनौती दी है कि अगर पार्टी यह साबित कर दे कि पर्चे उन्होंने बंटवाए हैं तो वह जनता के सामने आत्महत्या कर लेंगे।

- पर्चा विवादः केजरीवाल को गंभीर का चैलेंज

गौतम गंभीर ने ट्विटर पर आम आदमी पार्टी और सीएम अरविंद केजरीवाल को टैग करते हुए कहा कि अगर वह यह साबित कर दें कि पर्चा बंटवाने के मामले से उनका कोई लेना–देना है, तो जनता के सामने वह फांसी लगा लेंगे और अगर वह यह साबित नहीं कर पाते तो अरविंद केजरीवाल को राजनीति छोड़ने होगी, स्वीकार है?

आपको बता दें कि इससे पहले आतिशी मार्लेना ने दिल्ली महिला आयोग में इस मामले की शिकायत दर्ज कराई है और दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने गंभीर पर मानहानि का केस करने की बात कही है।